



Literacy for a Billion

Movie: Prem Rog

Year: 1982

मेरी किस्मत में तू नहीं शायद
क्यों तेरा इंतज़ार करता हूँ
मैं तुझे कल भी प्यार करता था
मैं तुझे अब भी प्यार करता हूँ

मेरी किस्मत में तू नहीं शायद
क्यों तेरा इंतज़ार करता हूँ
मैं तुझे कल भी प्यार करता था
मैं तुझे अब भी प्यार करता हूँ

मेरी किस्मत में तू नहीं शायद
क्यों तेरा इंतज़ार करता हूँ
मैं तुझे कल भी प्यार करता था
मैं तुझे अब भी प्यार करता हूँ

आ ...

ओ ...

आ ...

आज समझी हूँ प्यार को शायद
आज मैं तुझको प्यार करती हूँ
कल मेरा इंतज़ार था तुझको
आज मैं इंतज़ार करती हूँ

मेरी किस्मत में तू नहीं शायद

आ ...

ओ ...

Song: Meri Qismat Men Tu Nahin

Lyricist: Ameer Qazalbash

सोचता हूँ के मेरी आँखों ने
क्यों सजाए थे प्यार के सपने
तुझसे माँगी थी एक खुशी मैंने
तूने ग़म भी नहीं दिए अपने
तूने ग़म भी नहीं दिए अपने

ज़िन्दगी बोझ बन गई अब तो
अब तो जीता हूँ और ना मरता हूँ
मैं तुझे कल भी प्यार करता था
मैं तुझे अब भी प्यार करता हूँ

मेरी किस्मत में तू नहीं शायद

आ ...

ओ ...

आ ...

अब ना टूटे ये प्यार के रिश्ते
अब ना टूटे ये प्यार के रिश्ते
अब ये रिश्ते सँभालने होंगे
मेरी राहों से तुझको कल की तरह
दुःख के काँटे निकालने होंगे
दुःख के काँटे निकालने होंगे
मिल ना जाए खुशी के रस्ते में
ग़म की परछाइयों से डरती हूँ

कल मेरा इंतज़ार था तुझको
आज मैं इंतज़ार करती हूँ



Literacy for a Billion

आज समझी हूँ प्यार को शायद

आ ...

ओ ...

दिल नहीं इख्तियार में मेरे
जान जाएगी प्यार में तेरे
तुझसे मिलने की आस है आ जा
मेरी दुनिया उदास है आ जा
मेरी दुनिया उदास है आ जा
प्यार शायद इसी को कहते हैं

हर घड़ी बेकरार रहता हूँ
रात दिन तेरी याद आती है
रात दिन इंतज़ार करती हूँ

मेरी किस्मत में तू नहीं शायद
क्यों तेरा इंतज़ार करता हूँ
मैं तुझे कल भी प्यार करती थी
मैं तुझे अब भी प्यार करता हूँ
मैं तुझे प्यार प्यार करती हूँ
मैं तुझे प्यार प्यार करता हूँ
मैं तुझे प्यार प्यार करती हूँ

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.